दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र
प्रैस–नोट

दिनांक 06.04.2019

Workshop on Intellectual Property Right

आज दिनांक 06.04.2019 को दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र में कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ द्वारा कार्यशाला का आयोजन संयोजिका श्रीमती उर्मिल सिंह के निर्देशन में किया गया। जिसमें डॉ. राहुल तनेजा, वैज्ञानिक (सांईस एवम् टैक्नोलोजी विभाग, पंचकूला(हरियाणा) उपस्थित रहे जिन्हें एम्स, नई दिल्ली द्वारा "Significant Contribution in Healthcare" के लिए सम्मानित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विजेश्वरी शर्मा ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्यातिथि का स्वागत किया। मुख्यातिथि ने "Intellectual Property right विषय पर सरल उदाहरणों द्वारा Patent, Trade Mark, Design व Copy right के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि अमेरिका जैसे देशों में 1600 शताब्दी में भी होते थे जबकि भारत में अभी भी साल में 50,000/– पर Patent File होते हैं जिसमें 80 प्रतिशत विदेशी भारत में Patent File करते हैं जबकि यू.एस.ए. में 6,00,000/– व चाईना जैसा देश 6,90,000/– Patent File करते हैं। मुख्यातिथि ने छात्राओं की IPR के चार पाठ्यक्रमों के विषय में भी अवगत करवाया जिनमें से एक पाठ्यक्रम को छात्राएं ऑनलाईन करके प्रमाण–पत्र प्राप्त कर सकती है। तत्पश्चात् महाविद्यालय की प्राचार्या ने मुख्यातिथि को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि डॉ. राहुल तनेजा जी ने बहुत ही सरल ढंग व उदाहरण देकर छात्राओं को आई.पी.आर. की बहुत लाभकारी जानकारी प्रदान की। मंच का संचालन श्रीमती सपना मलिक ने किया। इस अवसर पर कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की सदस्याएं डॉ.(श्रीमती) अनु चौहान, डॉ.(श्रीमती) नेहा, कुमारी प्रिया, कुमारी कविता, डॉ.(श्रीमती) उपासना आहूजा नैक संयोजिका व श्रीमती आशा चौधरी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में लगभग 100 छात्राओं ने भाग लिया।

LEGAL LITERACY CELL
DAYANAND MAHILA MAHAVIDYALYA
KURUKSHETRA

EGAL
TERACY
NAND
MAHA

दैनिक भास्कर - 7/4/19

डीएन कॉलेज में छात्राओं को दी पेटेंट की जानकारी

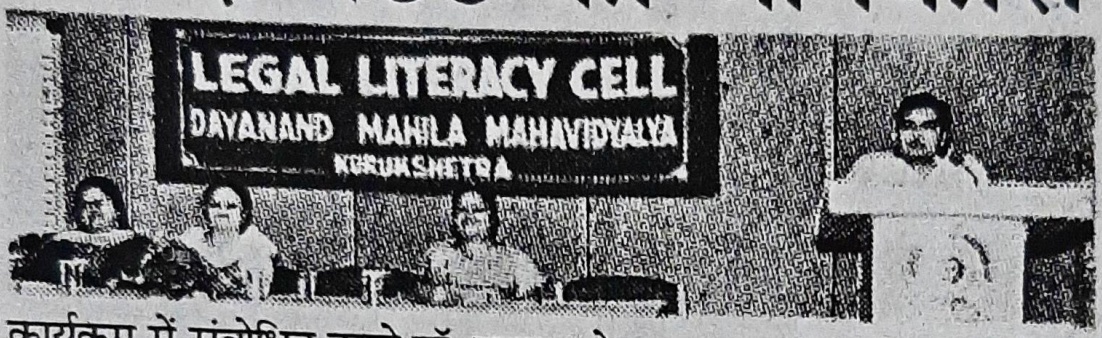

कार्यक्रम में संबोधित करते डॉ. राहुल तनेजा।

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र

डीएन महिला कॉलेज में कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर से शनिवार को विस्तार भाषण आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यातिथि साइंस एवं टेक्नोलॉजी विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राहुल तनेजा मुख्यातिथि रहे। अपने विस्तार भाषण में उन्होंने सरल उदाहरणों द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकारी आईपीआर के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिका जैसे देशों में 16वीं शताब्दी में भी पेटेंट होते थे। वहीं भारत में अभी भी साल में 50 हजार लोग पेटेंट फाइल करते हैं जिसमें से 80 प्रतिशत विदेशी भारत में पेटेंट फाइल करते हैं। वहीं अमेरिका में छह लाख और चाइना में छह लाख 90 हजार लोग पेटेंट फाइल करते हैं। कॉलेज प्राचार्या डॉ. विजेश्वरी शर्मा ने मुख्यातिथि डॉ. राहुल तनेजा का आभार जताया। इस अवसर पर संयोजिका उर्मिल सिंह, सपना मलिक, डॉ. अनु चौहान, डॉ. नेहा, प्रिया, कविता, डॉ. उपासना आहुजा और आशा चौधरी मौजूद रही।